MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:10 MAY 2026

अपने देश के विकास का रोडमैप बनाने में हम 66 साल पिछड़ गए, इसलिए तय किया कि 2047 में हम कहां पहुंचेंगे

कथक नृत्य की प्रस्तुति देतीं अनसूया मजूमदार एवं भट्टाचार्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमने 2014 के बाद यह सपना तय किया है कि 2047 में हम कहां पहुंचेंगे? जबकि हमारे पड़ोसी देशों ने इस तरह के लक्ष्य और योजनाएं पहले ही बनाई हुई हैं। अपने देश के विकास का रोडमैप बनाने में हम 66 साल पिछड़ गए। हम सब लोगों के साझा प्रयासों से नए भारत का निर्माण होगा, इसमें मीडिया भी शामिल है... यह कहना है राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नरायण सिंह के जो भारत भवन में चल रहे राष्ट्रीय संविमर्श 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उदय सिन्हा, विकास मिश्र, प्रत्यूष रंजन और सईद अंसारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारत भवन में आयोजित 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह

कार्यक्रम मे लोगों को संबोधित करते सिंह।

लाइव कार्टून शो एवं कार्टून कार्यशाला का आयोजन

इस दौरान लाइव कार्टून शो में सुभानी शेख, माधव जोशी, हरि मोहन बाजपेई, देवेंद्र शर्मा, हरिओर तिवारी सहित प्रसिद्ध 9 कार्टूनिस्ट ने भाग लिया, तो वहीं कार्टून कार्यशाला में वरिष्ठ कार्टूनिस्ट सुभानी ने विद्यार्थियों के साथ कार्टून मेकिंग कार्यशाला का आयोजन भी किया।

तकनीक में पिछड़े देश के सामने गुलाम होने के अलावा कोई विकल्प नहीं

'नए भारत का निर्माण और हम भारत के लोग' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हरिवंश ने कहा कि देश बनाना कठिन होता है, यह कार्य रातों-रात नहीं होता है। एक समय ऐसा था जब देश का सोना गिरवी रख दिया गया था। आज भारत के पास स्वर्ण भंडार है। एक समय मे भारत का धन बाहर जाता रहा, लेकिन किसी ने इस पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया। अब यह दृश्य बदल गया है, लाखों शेल कंपनियां बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जो देश तकनीक में पिछड़ जाता है, उसके सामने गुलाम होने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता।

आज पत्रकार नोट्स बनाना भूल गए हैं: सईद

टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने कहा कि आज पत्रकार नोट्स बनान भूल गए हैं। अच्छा पत्रकार बनने के लिए विद्यार्थियों से आग्रह करता हूँ कि नोट्स बनान सीखें। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता की साख पर बहुत बड़ा संकट है। इसकी साख को बचाकर रखना बहुत जरूरी है।

बंगाली होने के बावजूद, मैंने भारत को भारत के रूप में जाना है

पश्चिम बंगाल से आईं साहित्यकार प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय ने कहा कि बंगाली होने के बाद भी मैंने भारत को भारत के रूप में जाना है। बंगाली अस्मिता या अन्य भाषायी अस्मिता की बात जो उठाते हैं, उससे झूठी बात कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने योजनापूर्वक हमारे बच्चों को अपने मूल से काटने के प्रयास किए।

आज पत्रकारिता मिशनरी नहीं, प्रोफेशनल है...

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश में पहला संविधान संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्र को बाधित करने के लिए लाया गया। यह स्पष्टता होनी चाहिए कि आज पत्रकारिता मिशनरी नहीं, प्रोफेशनल है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार नगमा सहर ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को यह याद रखना चाहिए कि पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए खूब पढ़िए।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गरिमा से आलौकिक हुआ मंच

प्रसिद्ध कथक नृत्यांगनाओं अनसूया मजूमदार एवं भट्टाचार्य द्वारा कथक नृत्य की मनमोहक और भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। लय, ताल और भावों के अद्भुत समन्वय से सजी इस प्रस्तुति ने सभागार में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। घुंघरुओं की मधुर झंकार, आकर्षक मुद्राओं और सधी हुई गतियों के साथ कलाकारों ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गरिमा और सौंदर्य को मंच पर जीवंत कर दिया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'10 MAY.2026

'लोकतंत्र की नाभि है पत्रकारिता, यहीं से दूर होगी हर व्याधि'

विमर्श ● 'प्रणाम! उदंत मार्तंड' को दैनिक जागरण, नवदुनिया समाचारपत्र समूह के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने किया संबोधित

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : दैनिक जागरण, नवदुनिया-नईदुनिया समाचार समूह के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि लोकप्रचलित धारणा है कि समाचार माध्यम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं। पर ऐसी कोई लिखित और संस्थागत व्यवस्था नहीं है। यह जो लोकतंत्र रूपी शरीर है, उसमें जो बोलने वाला यानी लोगों की आवाज को आगे बढ़ाने वाला है वह विधायिका है, जो सुनने वाला है वह न्यायपालिका है और जो देखने वाला, सबसे साक्षात्कार करने वाला है वह कार्यपालिका है। हम (पत्रकार) तो लोकतंत्र की नाभि हैं। आयुर्वेद में शरीर की संरचना का केंद्र इसी नाभि को बताया गया है। विष्णु प्रकाश त्रिपाठी भारत भवन में आयोजित प्रणाम! उदंत मार्तंड विमर्श को संबोधित करते कर रहे थे।

इस कार्यक्रम का आयोजन हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास ने संयुक्त रूप से किया है। उन्होंने कहा कि यह नाभिनाल ही है जिसके जरिए मां के गर्भ में हमारा पोषण होता है। जन्म के बाद नाभिनाल काटी जाती है और एक स्वतंत्र मनुष्य के तौर पर हमारी विकास यात्रा शुरू होती है। आयुर्वेद में एक पूरी विधा है जो शरीर की व्याधियों का उपचार अलग-अलग प्रकार के तेल को नाभि से स्पर्श कराकर करती है।

हम लोकतंत्र की नाभि हैं, हम समय-समय पर अपनी वैचारिकता और उपयुक्त तेल के माध्यम से राष्ट्र की व्याधि को दूर करने में अपना सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार को देश और समाज के हितों के प्रति संवेदनशील और प्रतिबद्ध होना चाहिए। 'देश हमें देता है सबकुछ, हम भी कुछ देना सीखें' की भावना हर पत्रकार के भीतर होनी चाहिए।

युवाओं को रचना होगा अपना संविधान: युवाओं को संबोधित करते हुए विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि युवा मन चंचल होता है और वैचारिक मतभेद भी स्वाभाविक हैं। जो युवा भटकता नहीं, वह कहीं न कहीं ठहर जाता है। युवावस्था विचारों के निर्माण का समय होती है। स्व की साधना कर जब युवा आत्मनिर्णय का अधिकारी बन जाए तो उसे अपने जीवन का संविधान स्वयं रचना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि पंडित युगलकिशोर सुकुल ने 'उदंत मार्त्तंड' का प्रकाशन स्वधर्म, स्वभाषा और स्वदेशी से स्वराज हासिल करने के प्रयास में किया। हमने स्वराज तो हासिल कर लिया लेकिन स्वधर्म, स्वभाषा और स्वदेशी को कम्युनल मान लिया, यह विडंबना है। इस सत्र को पुदुचेरी विवि के प्राध्यापक डा. सी. जयशंकर बाबू और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ सोशल वेलफेयर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, कोलकाता की पूर्व निदेशक, शिक्षाविद-साहित्यकार प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय ने भी संबोधित किया।

भारत भवन में 'प्रणाम! उदंत मार्तंड' विमर्श में उद्बोधन देते दैनिक जागरण, नवदुनिया-नईदुनिया के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी। ● नवदुनिया

पत्रकारिता निष्पक्ष नहीं हो सकती

विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हमें वर्षों तक उन लोगों ने यह सिखाया कि पत्रकारिता निष्पक्ष होती है, जो जीवन भर पक्षपात करते रहे। पत्रकारिता निष्पक्ष हो ही नहीं सकती। पत्रकार को पक्षपाती होना ही चाहिए।

'प्रणाम! उदंत मार्तंड' कार्यक्रम की सांस्कृतिक संध्या में दिल्ली की अनसूया मजूमदार और सुरश्री भट्टाचार्य की कथक जुगलबंदी ने दर्शकों का मन मोह लिया। ● नवदुनिया

देश निर्माण में सबकी भूमिका : हरिवंश

समारोह के दौरान हम भारत के लोग सत्र को संबोधित करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि देश निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है। इसमें सभी नागरिकों के साथ मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मजबूत अर्थव्यवस्था किसी भी राष्ट्र की पहचान होती है। आज देश में स्टार्टअप संस्कृति तेजी से विकसित हुई है। गांवों तक डिजिटल सेवाएं पहुंच चुकी हैं और यूपीआइ भुगतान आम हो गया है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक को अपनाना और विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। इस सत्र को वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र ने भी संबोधित किया।

युवाओं को रचना होगा अपना संविधान

तीन दिवसीय समारोह का रविवार शाम समापन होना है। इस सत्र में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव मौजूद रहने वाले हैं। इससे पूर्व फिल्मकार डा. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और पत्रकार हितेश शंकर का संवाद, भारतीय भाषाओं का राष्ट्रीय स्वर सत्र में प्रो. कृपाशंकर चौबे, शैलेश पाण्डेय, हर्षवर्धन त्रिपाठी, जयंती रंगनाथन का वक्तव्य होना है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'10 MAY.2026

पत्रकारिता में विचार की महत्वपूर्ण भूमिका

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास के संयुक्त आयोजन प्रणाम! उदन्त मार्तण्ड भारत भवन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता, एआइ, नागरिक अनुशासन और भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता में विचार सबसे महत्वपूर्ण हैं और नई पीढ़ी को तकनीक के साथ विश्वसनीयता बनाए रखनी होगी। आयोजन में बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। तीन दिवसीय मीडिया महोत्सव का समापन शनिवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा।

● नवदुनिया

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'10 MAY.2026

प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड भारत भवन में राष्ट्रीय संविमर्श में मीडिया, तकनीक और राष्ट्र निर्माण पर मंथन

सबके साझा प्रयासों से बनेगा नया भारतः हरिवंश नारायण

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 7309757475

भारत भवन में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय संविमर्श 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि भारत ने 2014 के बाद 2047 के विकसित भारत का विजन तय किया, जबकि कई पड़ोसी देश इस दिशा में पहले ही काम शुरू कर चुके थे। उन्होंने कहा कि देश के विकास का रोडमैप तय करने में हम दशकों पीछे रहे, लेकिन अब सबके साझा प्रयासों से नया भारत बनेगा और इसमें मीडिया की बड़ी भूमिका होगी।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि और वीर भारत न्यास के संयुक्त आयोजन में हरिवंश मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में मीडिया को नई तकनीक के साथ खुद को प्रासंगिक बनाए रखना होगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार उदय सिन्हा, विकास मिश्र, प्रत्यूष रंजन और टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने भी विचार रखे। सईद अंसारी ने कहा कि रामराज्य की अवधारणा को वर्तमान में उतारना ही नए भारत की दिशा तय करेगा। अंत में लाइव कार्टून शो और वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें 9 कलाकारों ने भाग लिया।

| पीपुल्स समाचार |

टेक्नोलॉजी, भाषा और स्टार्टअप पर जोर

'नए भारत का निर्माण और हम भारत के लोग' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि देश निर्माण रातों-रात नहीं होता। उन्होंने चाणक्य और स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए मजबूत अर्थव्यवस्था, युवाओं में उद्यमिता और आत्मनिर्भर भारत की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद देश में स्टार्टअप संस्कृति तेजी से विकसित हुई। उन्होंने तकनीक को सीखने पर जोर दिया। पत्रकार उदय कुमार ने मातृभाषा पर गर्व करने की बात कही। साहित्यकार सोमा बंद्योपाध्याय ने भाषायी अस्मिता से ऊपर भारतीय पहचान को अहम बताया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'10 MAY.2026

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास के संयुक्त आयोजन 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा

सबके साझा प्रयासों से होगा भारत का निर्माण : हरिवंश

तीन दिन का यह मीडिया महोत्सव आज लेगा विराम
मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में होगा समापन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

भारत भवन में चल रहे राष्ट्रीय संविमर्श 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि हमने 2014 के बाद यह सपना तय किया है कि 2047 में हम कहाँ पहुंचेंगे? जबकि हमारे पड़ोसी देशों ने इस तरह के लक्ष्य और योजनाएं पहले ही बनाई हुई हैं। अपने देश के विकास का रोडमैप बनाने में हम 66 साल पिछड़ गए। हम सब लोगों के साझा प्रयासों से नए भारत का निर्माण होगा, इसमें मीडिया भी शामिल है। बदलते दौर में, नई तकनीक के साथ हम सबको अपने आपको प्रासंगिक बनाना होगा। इस समय भारत में बहुत अच्छा काम हो रहा है। पिछले 10-12 वर्षों में भारत में तेजी से आधारभूत संरचनाएं विकसित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास की संयुक्त पहल पर भारत भवन, भोपाल में आयोजित 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री उदय सिन्हा, श्री विकास मिश्र, श्री प्रत्यूष रंजन और श्री सईद अंसारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र का संचालन वरिष्ठ पत्रकार श्री गिरीश उपाध्याय ने किया। 'नए भारत का निर्माण और हम भारत के लोग' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री हरिवंश ने कहा कि देश बनाना कठिन होता है, यह कार्य रातों-रात नहीं होता है। एक समय ऐसा था जब देश का सोना गिरवी रख दिया गया था। आज भारत के पास स्वर्ण भंडार है। एक समय में भारत का धन बाहर जाता रहा लेकिन किसी ने इस पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया। अब यह दृश्य बदल गया है, लाखों शेल कंपनियां बंद कर दी गई हैं। देश के निर्माण में मजबूत अर्थव्यवस्था की भूमिका को स्पष्ट करते हुए श्री हरिवंश जी ने कहा कि चाणक्य के अनुसार, अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है तो आपको कोई नहीं पूछेगा। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद ने भी कहा कि भारत को युवा संन्यासियों से अधिक युवा उद्यमियों की आवश्यकता है। महात्मा गांधी भी भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात करते थे। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत में स्टार्टअप की बात नहीं होती थी लेकिन आज स्टार्टअप की एक संस्कृति विकसित हो गई है।

वर्षों पहले पहचान ली गई थी सूचना की ताकत

उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि उदन्त मार्तण्ड के शीर्षक के नीचे एक श्लोक प्रकाशित होता था, उसका आशय था- सूर्य के प्रकाश के बिना जैसे अंधकार नहीं मिटता, उसी प्रकार जो लोग नहीं जानते, उनको समाचारपत्र के बिना जानकारी नहीं मिल सकती। यह श्लोक समाचार पत्र की भूमिका को स्पष्ट करता है। हम कह सकते हैं कि सूचना की ताकत को वर्षों पहले पहचान लिया गया था। उन्होंने कवि वचन सुधा, प्रताप और आज जैसे समाचार पत्रों की पत्रकारिता का उल्लेख कर पत्रकारिता के उद्देश्य एवं समाज में उसकी भूमिका को स्पष्ट किया।

'भारत स्वाभिमान – नागा साधु ज्ञान कोष' की विशेष प्रदर्शनी

कार्यक्रम में 'भारत स्वाभिमान – नागा साधु ज्ञान कोष' की विशेष प्रदर्शनी का रखी गई जिसमें नागा साधुओं के अलंकार एवं पूजा पात्र रखे गए, इसके अलावा भारतीय अस्त्र शस्त्रों की प्रदर्शनी भी रखी गई जिसमें मराठा समेत अनेक राजवंशो के अस्त्र शस्त्र प्रदर्शित किए गए।

लाइव कार्टून शो

इस दौरान लाइव कार्टून शो एवं कार्टून

कार्यशाला में पधारे 9 कार्टूनिस्ट श्री सुभानी शेख, माधव जोशी, हरि मोहन बाजपेई, देवेंद्र शर्मा, त्रयम्बक शर्मा, अभिषेक शर्मा, चंद्रशेखर हाड़ा, हरिओम तिवारी तथा शिरीष श्रीवास्तव ने विद्यार्थियो के समक्ष हिंदुस्तानियों के हित के हेत विषय पर लाइव कार्टून बनाए। वरिष्ठ कार्टूनिस्ट श्री सुभानी ने विद्यार्थियो के साथ कार्टून मेकिंग कार्यशाला का आयोजन भी किया।

कृत्रिम बुद्धिमता को नियंत्रित करने के लिए मानवीय बुद्धिमत्ता अवश्यक

वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र ने कहा कि हमें नागरिक अनुशासन का पालन करना चाहिए। कितने ही लोग हैं जो बिना हेलमेट वाहन चलाते हैं? सरकार की अच्छी योजनाओं का दुरुपयोग करते हैं। भारत के निर्माण में हमें नियमों और अनुशासन का पालन करना चाहिए। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रत्यूष रंजन ने एआई की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हम इस तकनीक से बच नहीं सकते इसलिए हमें एआई को अच्छी प्रकार समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई हमें डिक्टेट न करे, हम एआई को डिक्टेट करें। कृत्रिम बुद्धिमता से ऊपर मनुष्य की बुद्धिमता है, यह बात हमें नहीं भूलना चाहिए।

रामराज्य को वर्तमान में ले आएं हमारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा : सईद अंसारी

टीवी पत्रकार श्री सईद असारी ने कहा कि आज पत्रकार नोट्स बनान भूल गए हैं। अच्छा पत्रकार बनने के लिए विद्यार्थियो से आग्रह करता हूँ कि नोट्स बनान सीखें। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता की साख पर बहुत बड़ा संकट है। इसकी साख को बचाकर रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नए भारत निर्माण के निर्माण के लिए जरूरी है कि हम पीछे जाए और रामराज्य को वर्तमान मे ले आए, हमारी सब समस्याओं का समाधान हो जाएगा। भारतीय संस्कृति से दूर होगे तो विश्वास कीजिए औंधे मुंह जरूर गिरेंगे।

उदय कुमार : उन्होंने कहा कि विदेशों की तरह भारतीय नागरिकों में भी 'सिविक सेंस' (नागरिक अनुशासन) होना चाहिए। राष्ट्र निर्माण के लिए कर्तव्यों का पालन और मातृभाषा पर गौरव करना अनिवार्य है।

प्रफुल्ल केतकर : केतकर ने जोर दिया कि पत्रकारिता में विचार सर्वोपरि है और भाषा केवल एक माध्यम। उन्होंने कहा कि स्वधर्म, स्वभाषा और स्वदेशी के विचारों को सांप्रदायिक मान लेना एक बड़ी विडंबना है।

विष्णु प्रकाश त्रिपाठी : उन्होंने निष्पक्षता के पारंपरिक नैरेटिव को चुनौती देते हुए कहा कि पत्रकार को देश और समाज के प्रति 'पक्षपाती' होना चाहिए। हम न वादी हैं न प्रतिवादी, बल्कि हम समाज के साथ संवाद करने वाले 'संवादी' हैं।

डॉ. सी. जयशंकर बाबू : उनके अनुसार पत्रकारिता सेवा धर्म है जिसकी शुरुआत स्वाधीनता की चेतना से हुई। उन्होंने राष्ट्रीयता के 'एकत्व भाव' को जोड़ने वाली शक्ति बताया।

प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय : उन्होंने क्षेत्रीय अस्मिता से ऊपर उठकर 'भारत बोध' पर जोर दिया और कहा कि बच्चों को उनके मूल सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना जरूरी है।

अमिताभ अग्निहोत्री : अग्निहोत्री ने वर्तमान समय को मीडिया का सबसे अच्छा दौर बताया। उनके अनुसार, अब सूचना किसी विशेष वर्ग या सरकार के बंधन में नहीं है और हर व्यक्ति सूचना के प्रवाह का हिस्सा है।

डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह : उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता प्रोफेशनल है, लेकिन समाज के प्रति उसकी जवाबदेही कम नहीं हुई है। वर्तमान में भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी की पत्रकारिता सबसे अधिक लाभ में है।

नगमा सहर : सहर ने विद्यार्थियों को खूब पढ़ने और भाषा पर पकड़ बनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रतिस्पर्धा के इस दौर में पत्रकारिता की 'विश्वसनीयता' को बचाए रखने को सबसे बड़ी चुनौती बताया।

आज होगा संगोष्ठी का समापन

संगोष्ठी के तीसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में साय 6 बजे समापन कार्यक्रम होगा। समापन से पूर्व "स्वाभिमानी भारत" सत्र में प्रख्यात निर्देशक एवं अभिनेता डॉ. चन्द्र प्रकाश द्विवेदी एवं पत्रकार हितेश शंकर उपस्थित रहेंगे। "भारतीय भाषाओं का राष्ट्रीय स्वर" विषयक सत्र में प्रो. कृपाशंकर चौबे, शैलेश पाण्डेय, हर्षवर्धन त्रिपाठी, जयंती रंगनाथन उपथित रहेंगी। अन्य सत्रों में पत्रकार प्रतीक त्रिवेदी, राशिद किदवई, अनिल पाण्डेय, अनुज खरे एवं शरद गुप्ता शामिल होंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'10 MAY.2026

'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' : तकनीक, पत्रकारिता, एआई और भाषाओं पर हुआ मंथन

भारत को तकनीक और विचारों में आत्मनिर्भर बनना होगा : हरिवंश

जागरण, भोपाल। भारत भवन का सभागार शनिवार को विचार, व्यंग्य और रचनात्मकता के दुर्लभ संगम का साक्षी बना। 'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' के दूसरे दिन जहां एक ओर देश के वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों ने एआई, पत्रकारिता की विश्वसनीयता, मीडिया की स्वतंत्रता और भारतीय पत्रकारिता के वैचारिक आधार जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा की, वहीं दूसरी ओर लाइव कार्टूनिंग ने आयोजन को कलात्मक ऊर्जा से भर दिया। 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' विषय पर सुभानी शेख, माधव जोशी समेत 9 दिग्गज कार्टूनिस्टों ने अपनी रेखाओं के जरिए सामाजिक सरोकारों और पत्रकारिता के मूल भाव को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि राष्ट्र निर्माण कभी रातों-रात नहीं होता। उन्होंने भारत की आर्थिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब देश को अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था, जबकि आज भारत के पास मजबूत स्वर्ण भंडार है। उन्होंने डिजिटल इंडिया की सफलता का जिक्र करते हुए बताया कि आज इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का बड़ा हिस्सा गांवों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जो देश तकनीक में पीछे रह जाता है, उसके सामने निर्भरता और गुलामी का खतरा बढ़ जाता है।

नोट्स बनाने की पुरानी आदत फिर से डालें

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रत्यूष रंजन ने तकनीक पर बात करते हुए कहा कि हमें एआई को डिक्टेट करना चाहिए, न कि एआई हमें डिक्टेट करे। मनुष्य की बुद्धिमत्ता हमेशा सर्वोपरि रहेगी। वहीं टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने आज की पत्रकारिता की साख पर चिंता जताई और छात्रों को नोट्स बनाने की पुरानी आदत को फिर से अपनाने की सलाह दी।

" पुडुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सी जयशंकर बाबु ने कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में हर व्यक्ति को कम से कम 8 से 10 भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए। ने कहा कि भाषा कभी बंधन नहीं होती, बल्कि सीखने की इच्छा की कमी बाधा बनती है। उनका मानना है कि तकनीक और एआई पर बढ़ती निर्भरता लोगों की सोचने और याद रखने की क्षमता को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को पूरे भारत की भाषाओं और संस्कृतियों को समझना चाहिए। वे स्वयं 12 लिपियों का ज्ञान रखते हैं और तमिल, तेलुगु, कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाएं बोल और समझ सकते हैं।

भारतीय पत्रकारिता का वैचारिक आधार

सत्र में प्रफुल्ल केतकर ने अपने विचारों को रखते हुये कहा कि पत्रकारिता में विचार महत्वपूर्ण है. भाषा तो केवल एक माध्यम है। उन्होंने स्वधर्म और स्वभाषा के महत्व पर जोर दिया। वहीं विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने बेबाकी से कहा कि पत्रकार को देश और समाज के प्रति पक्षपाती होना ही चाहिए, क्योंकि हम संवादी हैं और समाज के प्रति समर्पित हैं।

नागरिक कर्तव्य और गौरव

वरिष्ठ पत्रकार उदय कुमार और विकास मिश्र ने नागरिक अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विदेश जैसा सिविक सेंस भारत में भी जरूरी है। अपनी मातृभाषा पर गौरव करना और नियमों का पालन करना ही राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है।

भूमंडलीकरण और मीडिया की आजादी

अमिताभ अग्निहोत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि यह पत्रकारिता का सबसे अच्छा दौर है क्योंकि अब सूचनाएं किसी खास वर्ग या सरकार के बंधन में नहीं हैं। डॉ ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि ग्लोबलाइजेशन ने समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाया है। वहीं नगमा सहर ने विद्यार्थियों को पढ़ने का महत्व समझाया और कहा कि विश्वसनीयता ही इस प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का एकमात्र मंत्र है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN'10 MAY.2026

देश बनाना रातोंरात का काम नहीं : हरिवंश

राज्यसभा उपसभापति ने भारत भवन में आयोजित प्रणाम उदन्त मार्तण्ड कार्यक्रम में कहा

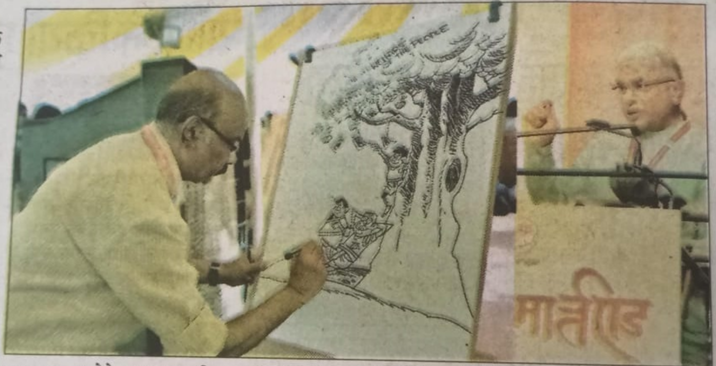

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 मई. भारत भवन के सभागार में जब कार्टूनिस्टों की कूची चली तो हिंदुस्तानियों के हित के हेत विषय पर जीवंत कला के दर्शन हो गये. हिंदी पत्रकारिता के 200 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित प्रणाम उदन्त मार्तण्ड कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को सुभानी शेख और माधव जोशी समेत 9 दिग्गज कार्टूनिस्टों ने जब लाइव कार्टून बनाए तो विद्यार्थियों की नजरें कलाकारों की उंगलियों की रचनात्मकता पर टिकीं रह गईं.

महोत्सव में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश शामिल हुये. उन्होंने कहा कि देश बनाना रातों रात का काम नहीं होता. एक दौर था जब देश का सोना गिरवी रखना पड़ा था और आज हमारे पास स्वर्ण भंडार है. उन्होंने डिजिटल इंडिया का उदाहरण देते हुए बताया कि आज 10 में से 6 इंटरनेट उपयोगकर्ता गांवों के हैं. जो देश तकनीक में पिछड़ जाता है, उसके सामने गुलाम होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता. महोत्सव के दूसरे दिन एआई और मनुष्य की बुद्धिमत्ता, भारतीय पत्रकारिता, माडिया की आजादी जैसे कई विषयों पर परिचर्चा की गई.

सत्र में प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि पत्रकारिता में विचार महत्वपूर्ण है. भाषा तो केवल एक माध्यम है. उन्होंने स्वधर्म और स्वभाषा के महत्व पर जोर दिया. वहीं विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकार को देश और समाज के प्रति पक्षपाती होना ही चाहिए, क्योंकि हम संवादी हैं और समाज के प्रति समर्पित हैं. वहीं अमिताभ अग्निहोत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि यह पत्रकारिता का सबसे अच्छा दौर है, क्योंकि अब सूचनाएं किसी खास वर्ग या सरकार के बंधन में नहीं हैं. डॉ ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि ग्लोबलाइजेशन ने समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाया है. वहीं नगमा सहर ने विद्यार्थियों को पढ़ने का महत्व समझाया और कहा कि विश्वसनीयता ही इस प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का एकमात्र मंत्र है.

नोट्स बनाने की पुरानी आदत फिर से डालें

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रत्यूष रंजन ने तकनीक पर बात करते हुए कहा कि हमें एआई को डिक्टेट करना चाहिए, न कि एआई हमें डिक्टेट करे. मनुष्य की बुद्धिमत्ता हमेशा सर्वोपरि रहेगी. वहीं टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने आज की पत्रकारिता की साख पर चिंता जताई और छात्रों को नोटस बनाने की पुरानी आदत को फिर से अपनाने की सलाह दी.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVBHARAT'10 MAY.2026